विषयसूची / CONTENTS

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से / From the Chairman & Managing Director 3
- वार्षिक साधारण बैठक की सूचना / Notice of Annual General Meeting 7
- निदेशकों की रिपोर्ट / Directors' Report 9
- प्रबंधन विचार विमर्श एवं विश्लेषण / Management Discussion and Analysis 27
- कार्पोरेट गवर्नेंस / Corporate Governance Report 45
- तुलन पत्र / Balance Sheet 82
- लाभ व हानि लेखा / Profit and Loss Account 83
- महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ /Significant Accounting Policies 93
- लेखों पर टिप्पणियाँ / Notes on Accounts 99
- लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report 125
- नकदी प्रवाह विवरण / Cash Flow Statement 127
- प्रगति का विहंगावलोकन/ Our Progress at a glance 129
- मुख्य निष्पादन अनुपात / Key Performance Ratios 131
- विदेशी मुद्रा में संक्षिप्त वित्तीय विवरण
Abridged Financial Statements in Foreign Currency 133
- शाखाओं का वर्गीकरण - समूहवार - जनसंख्या
Classification of Branches - Population Groupwise 134
- अनुषंगी संस्थाओं के वित्तीय विवरण - आन्ध्रा बैंक फाइनैंशियल सर्विसेस लिमिटेड
Financial Statements of Subsidiary - Andhra Bank Financial Services Limited 135
- आन्ध्रा बैंक एवं इसकी अनुषंगियों के समेकित वित्तीय विवरण
Consolidated Financial Statements of Andhra Bank and its Subsidiary 163
- प्रॉक्सी फार्म / Proxy Form 190
- उपस्थिति पर्ची / प्रवेश पास / Attendance Slip / Entry Pass 191

लेखा परीक्षक Auditors

एस.आर.बी एंड एसोसियेट्स
SRB & Associates

एस.सी.वासुदेवा एंड को
S.C.Vasudeva & Co.,

सुनील के. गुप्ता एसोसियेट्स
Sunil K. Gupta Associates

वी.के.सुराना एंड को
V.K.Surana & Co.,

एम.के.दांडेकर एंड को
M.K.Dandeker & Co.,

रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट
Registrar & Share Transfer Agent

मेसर्स एमसीएस लिमिटेड
(यूनिट आन्ध्रा बैंक)
हारमोनी हाउस, प्रथम तल, सेक्टर - 1,
खंदा कॉलोनी, न्यू पनवेल (प)
जिला रायगड़, महाराष्ट्र - 410 206

M/s. MCS Ltd. (Unit: Andhra Bank)
Harmony House, 1st Floor, Sector - 1
Khanda Colony, New Panvel (W)
Dist Raigarh, Maharashtra - 410 206

www.reportjunction.com

प्रिय शेयरधारक

31 मार्च 2007 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट आपको प्रस्तुत करते हुए मुझे अधिक प्रसन्नता है.

आपको यह सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता है कि आपके बैंक के कुल व्यापार ने वित्तीय वर्ष 2006-07 में रु. 69,687 करोड़ का स्तर पा लिया है.

ग्राहकों की सतत परिवर्तित प्रत्याशाओं के बीच आपका बैंक तीव्र पतिस्पर्धा की चुनौतियों का सामना कर सका है. वर्ष के दौरान बढ़ते ब्याज दर परिदृश्य और बांड प्रतिफल की सख्ती के कारण बैंकों को संसाधनों की लागत में वृद्धि हुई और उससे उनके निवल ब्याज मार्जिन में दबाव पड़ा. जो भी, आपके बैंक ने अधिक कठिन परिस्थितियों में भी समृद्धि की ओर जाने की अपनी निरंतर वचनबद्धता द्वारा अपके आधार को मजबूत करते हुए प्रगति और समृद्धि पायी है.

- मार्च 2007 के अंत को **कुल व्यवसाय** 23.55% की वृद्धि दर रजिस्टर करते हुए मार्च 2006 के अंत के रु. 56,406 करोड़ से रु. 69,687 करोड़ तक बढ़ गया.
- **कुल जमाराशियाँ** 22.20% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 33,922 करोड़ से रु. 41,454 करोड़ तक बढ़ गयीं.
- **अल्प लागत जमाराशियाँ** 16.21% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए, पिछले वर्ष के रु. 12,317 करोड़ से रु. 14,314 करोड़ तक गयीं.
- ब्याज दर परिदृश्य में वृद्धि के बावजूद, **जमा में लागत** पिछले वर्ष के 4.86% के विरुद्ध 5.32% है.
- **बैंक का सकल बैंक ऋण** 25.57% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 22,484 करोड़ से रु. 28,233 करोड़ तक बढ़ गया.
- **ऋण जमा अनुपात** पिछले वर्ष के 66.69% से 68.28% तक बढ़ गया.
- सभी उत्पाद क्षेत्रों को यथा कृषि, सेवा और उद्योग ऋण नियोजन के लिए अधिक प्राथमिकता प्राप्त हुई.
- **यह सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता है कि बैंक ने वर्ष 2006-07 के लिए प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, कृषि, लघु उद्योग एवं मध्यम उद्यम के लिए लक्ष्यों को पार किया.**
- **कृषि को अग्रिम** 26.72% की वृद्धि द्वारा 31.03.2006 के रु. 4,064 करोड़ से रु. 5,150 करोड़ तक पहुँच गया. (समायोजित एनबीसी के 18.54% , इस प्रकार 18% के मानदंड को पार करते हुए)
- बैंक ने 1,21,926 **स्वयं सहायक समूहों** को वित्तपोषण किया और इन समूहों को बकाया ऋण रु. 521.17 करोड़ रहा.
- **अन्य प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्रों** को दिये गये ऋण में रु. 3,643 करोड़ से रु. 4,734 करोड़ तक की वृद्धि हुई जो वर्षानुवर्ष 29.95% की वृद्धि दर है.
- **लघु उद्योग अग्रिम** रु. 1,509 करोड़ से रु. 1,543 करोड़ तक पहुँच गया और मध्यम उद्यम अग्रिम रु. 1,612 करोड़ के लक्ष्य के विरुद्ध रु. 1,707 करोड़ रहा.
- वर्ष 2006-07 के दौरान **एएमई क्षेत्र को अग्रिम** 33.25% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु 811 करोड़ की वृद्धि के साथ रु 3,250 करोड़ के आंकडे को प्राप्त किया.
- **बैंक के रिटेल ऋण** 31.03.2006 के रु. 5,050 करोड़ से 31.03.2007 को रु 6,623 करोड़ तक बढ गये जो 31.15% की बड़ी वृद्धि है.
- **आवास ऋण और शैक्षिक ऋण पर इस वर्ष भी अधिक फोकस दिया गया.** 12.85% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए **आवास ऋण (प्रत्यक्ष)** 31.03.2006 के रु. 1,572 करोड़ से बढ़कर 31.03.2007 को रु. 1,774 करोड़ तक बढ़ गये. **शैक्षिक ऋण** 33.68% की वृद्धि दर्शाते हुए 31.03.2006 के रु. 905 करोड़ से बढ़कर 31.03.2007 को रु. 905 करोड़ तक बढ़ गये.
- 31 मार्च 2007 को **मूल्यह्रास को कम कर कुल निवेश** रु. 14,300.72 करोड़ रहा और निवेश पर औसत प्रतिफल 7.34% रहा.
- **बैंक के परिचालन लाभ** में वर्ष 2005-06 के रु. 702.59 करोड़ की तुलना में चालू वर्ष में रु. 931.24 करोड़ तक की वृद्धि है और वृद्धि दर 32.54% है.
- **निवल ब्याज आय** में 21.26% की वृद्धि हुई, निवल ब्याज मार्जिन (निवल ब्याज आय, अर्जित आस्ति के प्रतिशत के रूप में प्रतिपादित) 3.20% रहा.
- **निवल लाभ** पिछले वर्ष के रु. 485.50 करोड़ से वर्ष 2006-07 में रु. 537.90 करोड़ तक की वृद्धि हुई और 10.79% की वृद्धि दर्ज हुई.
- **बैंक का कोर परिचालन से सकल लाभ (निवेश की बिक्री पर लाभ को छोड़कर)** रु. 245.78 करोड़ की बढोत्तरी द्वारा रु. 631.75 करोड़ से रु. 877.53 करोड़ तक बढ गये जो 38.90% की वृद्धि है.
- **आय में लागत अनुपात** 31.03.2006 के 52.73% के विरुद्ध 31.03.2007 को 50.05% तक कम हो गया.
- बैंक ने ऋण संविभाग की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर देना जारी रखा. वर्ष 2006-2007 के दौरान **कुल अग्रिमों में मानक आस्तियों का प्रतिशत** पिछले वर्ष के 98.06% से 98.59% तक की वृद्धि हुई.
- **सकल अग्रिम में सकल एनपीए अनुपात** पिछले वर्ष के 1.94% से 1.41% तक कम हुआ.
- **निवल अग्रिम में निवल एनपीए** प्रतिशत के रूप में पिछले वर्ष के 0.24% से 0.17% को कम हुआ है.
- **बैंक की निवल संपत्ति** 2005-06 में रु. 2,894 करोड़ से वर्ष 2006-07 में रु. 3,156 तक की वृद्धि हुई. पिछले वर्ष की तुलना में रु. 262 करोड़ की बढ़ोत्तरी है., यह 9.05% की वृद्धि है.
- **आरक्षिती और अधिशेष स्थिति** में 10.88% की वृद्धि दर्शाते हुए 31.03.2006 को रु. 2,409 करोड़ से रु. 2,671 करोड़ को वृद्धि हुई.
- **औसत आस्ति पर प्रतिफल** और प्रति शेयर अर्जन क्रमश: 1.31% और रु. 11.09 रहे.
- पिछले वर्ष के रु. 16.78 से **औसत निवल आस्ति पर प्रतिफल** 2006-07 के दौरान रु. 17.78 तक रहा.
- **बैंक का ग्राहक आधार** 15.60 मिलियन तक बढ़ गया.
- 9% के निर्धारित मानदंड के प्रति **सीआरएआर** 11.33% तक पहुँच गया.
- **सीआरएआर 9%** निर्धारित मानदंड के विरुद्ध 11.33% रहा.
- **प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय** 2005-06 में रु. 362.25 लाख से बढ़कर 2006-07 को रु. 440.07 लाख हो गया.
- **प्रति कर्मचारी निवल लाभ** में भी रु. 3.69 लाख ये रु. 4.14 लाख तक बढ़ोत्तरी हुई.

नई पहल

www.reportjunction.com

Dear Shareholders,

I have great pleasure to present to you the Directors' Report for the year ended 31st March, 2007.

I am very glad to inform you that your Bank's Total Business has touched a level of Rs.69,687 crore for the Financial Year, 2006-07.

Your Bank could face the challenges of acute competition successfully amidst ever changing expectations of the Customers. The rising interest rate scenario and hardening of bond yields during the year have resulted in rise in cost of resources of Banks, thereby leading to strain on their Net Interest Margins. Nevertheless, your Bank, driven by its ceaseless commitment to prosper even under most trying conditions, has progressed and prospered while strengthening the bottom lines.

- The **Total Business** increased to Rs.69,687 crore as at the end of March, 2007, from Rs.56,406 crore as at the end of March, 2006, registering a growth rate of 23.55%.
- The **Total Deposits** increased to Rs.41,454 crore from Rs.33,922 crore, registering a growth rate of 22.20%.
- **Low Cost Deposits** increased from Rs.12,317 crore in the previous year, to Rs.14,314 crore, registering a growth of 16.21%.
- **Cost of Deposits** is at 5.32% as against 4.86% in the previous year, inspite of rising interest rates scenario.
- **Gross Bank Credit** of the Bank increased to Rs.28,233 crore from Rs.22,484 crore, registering a growth of 25.57%.
- **The Credit Deposit Ratio** increased to 68.28% from 66.69% in the previous year.
- All the Productive Sectors, viz., Agriculture, Service and Industry received highest priority for deployment of Credit.
- I am very happy to inform you that Bank has **surpassed** the targets for **Priority Sectors, Agriculture, SSI and Medium Enterprise** for the year 2006-07.
- **Advances to Agriculture** have risen by 26.72% to reach Rs.5,150 crore (constituting 18.54% of adjusted NBC, thus **surpassing** the norm of 18%) from Rs.4,064 crore as on 31.03.2006.
- Bank has extended finance to 1,21,926 **Self Help Groups (SHGs)** and the outstanding Credit to these Groups stood at Rs.521.17 crore.
- Credit extended to **Other Priority Sectors** increased to Rs.4,734 crore from Rs.3,643 crore, a YoY growth rate of 29.95%.
- While the **SSI Advances** reached a level of Rs.1,543 crore as against the target of Rs.1,509 crore, the Medium Enterprise Advances stood at Rs.1,707 crore as against the target of Rs.1,612 crore.
- **Advances to SME Sector** during 2006-07 recorded a growth of Rs.811 crore to reach a figure of Rs.3,250 crore, with point-to-point growth rate of 33.25%. Bank has at present 15 Specialised SME Branches.
- **The Retail Lending of the Bank** increased to Rs.6,623 crore as on 31-03-2007 from Rs.5,050 crore as on 31-03-2006, registering a growth rate of 31.15%.
- **The focus on Housing Loans and Educational Loans continued this year also. Housing Loans (Direct)** increased from Rs.1,572 crore as 31-03-2006 to Rs.1,774 crore as on 31-03-2007, registering a growth rate of 12.85%. **Educational Loans** increased from Rs.677 crore as 31-03-2006 to Rs.905 crore as on 31-03-2007, registering a growth rate of 33.68%.
- As on 31st March 2007, the Total Investments, net of depreciation, of the Bank stood at Rs.14,300.72 crore and the Average Yield on Investment was 7.34%.
- **The Operating Profit** of the Bank has increased from Rs.702.59 crore for the year 2005-06 to Rs.931.24 crore for the current year, registering a growth rate of 32.54%.
- While the Net Interest Income increased by 21.26%, the Net Interest Margin (Net Interest Income expressed as a percentage of Earning Assets) stood at 3.20%.
- **Net Profit** improved from Rs.485.50 crore in the previous year to Rs.537.90 crore in 2006-07, registering a growth of 10.79%.
- **Gross Profit from Core Operations (excluding Profit on Sale of Investments)** of the Bank increased by Rs.245.78 crore to Rs.877.53 crore from Rs.631.75 crore, registering a growth rate of 38.90%.
- **The Cost to Income Ratio** has improved to 50.05% as on 31.03.2007 as against 52.73% as on 31.03.2006.
- Bank continued its emphasis on ensuring quality of its Credit Portfolio. The percentage of Standard Assets in Total Advances improved from 98.06% in the previous year to 98.59% during 2006-07.
- **The Gross NPAs to Gross Advances Ratio** decreased from 1.94% last year to 1.41%.
- **The Net NPA as a percentage to Net Advances** decreased from 0.24% last year to 0.17%.
- Networth of the Bank increased from Rs.2,894 crore during 2005-06 to Rs.3,156 crore during 2006-07. There is an improvement of Rs.262 crore over previous year, with a growth of 9.05%.
- The Reserves and Surplus Position increased from Rs.2,409 crore as on 31.03.2006 to Rs.2,671 crore, registering an increase of 10.88%.
- **Return on Average Assets and Earning per Share stood at 1.31% and Rs.11.09 respectively.**
- The Return on Average Networth stood at Rs.17.78 during 2006-07.
- **The Clientele Base** of the Bank has increased to 15.60 million.
- **The CRAR stood at 11.33%** as against the prescribed norm of 9%.
- **Average Business per Employee** improved from Rs.362.25 Lakhs during 2005-06 to Rs.440.07 Lakhs during 2006-07.
- **Net Profit per Employee** also improved from Rs.3.69 Lakhs to Rs.4.14 Lakhs.

www.reportjunction.com

- द परियोजना वित्त का बेहतर एवं क्रिटिकल मूल्यांकन हेतु **तकनीकी परामर्श कक्ष (टीसीसी)** सृजित किया गया है. इस कक्ष में परियोजना वित्त के संबंध में परामर्श सेवाएँ समेत इन-हाउस विशेषज्ञता प्रदान करता है.
- द अपिटको, एसबीआई कैप्स इत्यादि जैसे परियोजना परामर्शक की तर्ज पर **नया परियोजना मूल्यांकन कक्ष** की स्थापना की गयी है. यह कक्ष विश्वसनीय परियोजना मूल्याकन रिपोर्टों का प्रावधान करता है जिनका अन्य बैंक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रयोग किया जा सकता है.
- द त्वरित ऋण डिलिवरी सिस्टम होने के लिए एवं नये ग्राहकों को जोडने के द्वारा हमारे आस्ति संविभाग की गुणवत्ता बढोत्तरी के लिए हमारे बैंक ने **नया बिजनेस ग्रुप** (एनबीजी) प्रारंभ किया है. इससे भावी ग्राहक/ऋणी को मांगी गयी ऋण सुविधाओं की मंजूरी के लिए सिद्धांतत: कमिटमेंट प्रदान करता है.
- द बैंक ने **एबी ई-रेल** सुविधा प्रारंभ की जिसके द्वारा आम जनता डेबिट कार्ड की मदद से अपने ट्रैन टिकट आरक्षित कर सकती हैं.
- द बैंक **एबी क्विक उत्पाद** के नाम पर आन्ध्रा बैंक डेबिट/एटीएम कार्ड के प्रयोग करने के द्वारा आन्ध्रा बैंक के किसी भी एटीएम से मेसर्स किंगफिशर एयरलाइन्स के साथ हवाई टिकट की बुकिंग के लिए टाइ अप स्थापित किया है.
- द बैंक **सीडीएसएल का डिपाजिटरी** भागीदार हो गया है और जनवरी 2006 में डीपी आपरेशन्स प्रारंभ किया गया है और 20 शाखाएँ डीमेट खाते खोलने के लिए प्राधिकृत हैं.
- द बैंक **एनएसडीएल** का डिपाजिटरी भागीदार हो गया है और एनएसडीएल के अंतर्गत परिचालन प्रारंभ कर दिया है.
- द बैंक ने **मल्टी चेक सुविधा (सममूल्य पर लिखत)** प्रारंभ किया है और सभी क्लस्टर कनेक्टेड शाखाओं में उपलब्ध है.
- द **एबी कैश ट्रैक** प्रधान नकद प्रबंध प्रणाली है जो उनकी प्राप्तियों को वसूल करने के लिए संपूर्ण भारत में विभिन्न कार्पोरेट ग्राहकों को दी जा रही है.
- द बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन के अपने प्रयास के रूप में रु. 5/- न्यूनतम शेष के साथ **एबी ईजी नोफ्रिल खाता** प्रारंभ किया गया है. बैंक ने मार्च 2007 के अंत तक लगभग 1,19,000 खाते खोले हैं.

अवार्ड एवं सार्वजनिक मान्यता

1. भारतीय बैंक संघ ने संयुक्त रूप से **टीएफसीआई के साथ बैंकिंग टेक्नालाजी अवार्ड 2006** का आयोजन किया एवं एटीएम चैनल में हमारे अद्वितीय कार्य निष्पादन की मान्यता में उत्तम भुगतान पहल के अंतर्गत संयुक्त रनर अप अवार्ड प्रदान किया गया.
2. बैंक को **आईडीआरबीटी द्वारा बैंकिंग टेकनालजी अवार्ड** दिया गया. बैंक को वर्ष 2005-06 के लिए आईडीआरबीटी से अर्धशहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राहक सेवा में आईटी के प्रयोग के लिए **उत्तम बैंक अवार्ड** प्रदान किया गया.
3. बैंक को लंदन स्थित प्रतिष्ठित पत्रिका„दि बैंकरष द्वारा 31.03.2006 को समाप्त वर्ष के लिएं शीर्ष 1000 बैंकों में से 544 (पिछले वर्ष में 683 रैंक) स्थान दिया गया. बैंकर द्वारा यह स्थान बेसल के बैंक ऑफ इंटरनैशन सेटलमेंट्स (बीआईएस) द्वारा परिभाषित टीयर I पूंजी पर आधारित है.

वित्तीय वर्ष 2006-07 के दौरान, बैंक ने ग्राहकों को उच्च स्तरीय सेवा बनाये रखने पर जोर जारी रखा. इस दिशा में बैंक बैंकिंग कोड एवं भारतीय मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई) का सदस्य बना है जो यह सुनिश्चित करने के लिए गठित किया गया है कि बैंकिंग सेवाएँ प्राप्त करने वाले सभी व्यक्तिगत ग्राहक अच्छे और पारदर्शी सेवाएँ प्राप्त कर सकें. बैंक की बीसीएसबीआई में सदस्यता यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे ग्राहक बैंक में अधिक विश्वास और भरोसा प्राप्त करते हैं.

वर्ष के दौरान बैंक ने 76 शाखाएँ (23 विस्तार काउंटरों के अपग्रेडेशन समेत) और 114 एटीएम खोलें. इसके साथ 31 मार्च 2007 को बैंक के 1930 डेलिवरी चैनल हैं जिसमें 1289 शाखाएँ, 99 विस्तार काउंटर, 37 अनुषंगी कार्यालय और 505 एटीएम हैं. शाखाओं में 196 व्यक्तिगत बैंकिंग केंद्र, 51 व्यापार वित्त केंद्र एवं 16 वित्तीय सेवा केंद्र हैं.

वित्तीय समावेशन के भाग के रूप में बैंक ने दो जिले अपनाये यानी कि आन्ध्र प्रदेश में श्रीकाकुलम और उडीसा राज्य में गंजाम और श्रीकाकुलम जिले में 100% कवरेज और गंजाम जिले में 95% कवरेज प्राप्त किया है. बैंक ने फरवरी 2007 में कोंडापुर, हैदराबाद में बैंक का पहला बायो-मैट्रिक एटीएम खोला जो देश में पहला है. इस सुविधा से निरक्षरों और ग्रामीण जनता शहरी वासियों के समान प्रौद्योगिकीयुक्त सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं. बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राहकों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने और बायो मैट्रिक एटीएम खोलने का प्रस्ताव रखता है. शबरिमला तीर्थयात्रियों को बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए, बैंक चेंगन्नूर और पत्तनमतिट्टा जैसे महत्वपूर्ण केंद्रों को कवर करते हुए कोट्टयम (केरल) में मोबाइल एटीएम सुविधा प्रारंभ की जिसकी व्यापक प्रशंसा मिली.

बैंक ने हैदराबाद में सफलतापूर्वक दो दिन का भारतीय बैंकिंग सम्मेलन„बैंकर्स सम्मेलन (बैंकॉन) 2006 आयोजन किया जिसमें सम्मिलित वृद्धि - एक नई चुनौती विषय पर चर्चा की गयी. इसकी बैंकिंग और बैंकेतर वर्ग में व्यापक प्रशंसा मिली.

केंद्रीय पेंशन भोगियों को त्वरित और शिकायत मुक्त सेवा देने हेतु बैंक ने हैदराबाद में त्वरित और शिकायत-मुक्त सेवा देने हेतु बैंक ने हैदराबाद में केंद्रीकृत पेंशना संसाधन केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाये हैं और सीपीपीसी की स्थापना मई 2007 के अंत तक संपन्न होने की संभावना है.

यह सूचित करते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता है कि आपका बैंक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आगे निकल रहा है. 2002- 2003 में ही शाखाओं के 100% कम्प्यूटरीकृत के बाद, आपके बैंक ने अब 1104 व्यावसायिक इकाइयों को यथा 1006 शाखाएँ, 83 विस्तार काउंटर और 15 सेवा केंद्र, क्लस्टर आधारित को कोर बैंकिंग सोल्यूशन से जोड़ा है. इन सभी शाखा और विस्तार काउंटरों पर ग्राहकों को **किसी भी शाखा बैंकिंग की सुविधा** दी जा रही है.

बैंक का कार्यनिष्पादन शेयरधारकों और पणधारियों की मदद और विश्वास का प्रतिबिंब है. मैं अपने बैंक के समर्पित और वचनबद्ध कर्मचारियों की ईमानदारी की प्रशंसा करता हूँ जो हमेशा सभी उपलब्धियों के आधार स्तंभ हैं. आपका बैंक निरंतर नये अवसरों को पहचानने, निर्धारण करने और सृजन करता है और उन्हें व्यावहारिक बनाता है. इस प्रयास मे, मैं आन्ध्रा बैक के प्रत्येक कर्मचारी के साथ उत्साह और वचनबद्धता समेत शामिल होता हूँ और बैंक के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आपके निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन चाहता हूँ.

शुभेच्छाओं सहित

आपका

(डॉ के.रामकृष्णन)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

www.reportjunction.com

NEW INITIATIVES

- To have a better and critical appraisal of the project finance, a **Technical Consultancy Cell (TCC)** has been formed. The Cell enables development of in-house Expertise, including consultancy services with regard to project finance.
- A new "**Project Appraisal Cell"** independent of Credit Processing and Sanctioning Departments in line with project consultants like APITCO, SBI Caps, etc., is established. The Cell will provide reliable project appraisal reports which can be used by other users like Banks and Financial Institutions.
- In order to have a faster credit delivery system and to increase the quality of our asset portfolio by adding new clients, the Bank introduced the concept of **"New Business Group (NBG)".** It enables the Bank to convey to the prospective client / borrower "In principle commitment for sanction of credit facilities" sought for.
- Bank introduced **'AB e-RAIL'** Facility, whereby the general public can reserve their train tickets through internet with the help of Debit Cards.
- Bank entered into Tie-up with M/s Kingfisher Airlines for booking air tickets through any of Andhra Bank ATMs by using Andhra Bank Debit / ATM Card or any VISA Card under the Product name **'AB QUIK'.**
- Bank became a **Depository Participant of CDSL** and started DP operations in January 2006 and right now 20 Branches are authorised to open Demat accounts.
- Bank also became a **Depository Participant of NSDL** recently and commenced the operations under NSDL also.
- Bank has introduced **'Multi-Cheque'** facility (at par instruments) and is available in all cluster connected Branches.
- **AB Cash Track** is the premier cash management system, being extended to various corporate clients all over India for collection of their receivables.
- As a part of Bank's endeavour for Financial Inclusion, Bank introduced **AB Easy – No Frill Account** with a minimum balance of Rs.5/-. The Bank has already opened around 1,19,000 Accounts by the end of March'07.

AWARDS AND PUBLIC RECOGNITION

- IBA jointly with TFCI organized "Banking Technology Awards 2006" and conferred Joint Runner-up Award in the Best Payments Initiative in recognition of outstanding achievement of our Bank in promoting ATM channel.
- Bank was awarded Banking Technology Award by IDRBT. Bank received the "Best Bank Award" for use of IT for Customer Service in Semi-Urban and Rural Areas from IDRBT for the year 2005-06.
- Bank was ranked 544th (as against 683rd rank last year) for the year ended 31.03.2006 amongst Top 1000 Banks in the World by "The Banker", a London based Financial Times Publication. The ranking by "The Banker" is based on Tier I Capital as defined by Basel's Bank of International Settlements (BIS).

During the Financial Year 2006-07, Bank continued its emphasis on maintaining high standards of service to its Customers. In this direction, Bank has become a Member of Banking Codes and Standards Board of India (BCSBI), which is constituted to ensure that all individual Customers availing banking services get fair and transparent treatment. Bank's membership of the BCSBI would ensure that our Customers enjoy a greater degree of trust and confidence in the Bank.

During the year, the Bank opened 76 Branches (including upgradation of 23 Extension Counters) and 114 ATMs. With this, as at the end of 31st March 2007, the Bank had 1930 Delivery Channels consisting of 1289 Branches, 99 Extension Counters, 37 Satellite Offices and 505 ATMs. Within the Branches, the Bank has 196 Personal Banking Centres, 51 Trade Finance Centres and 16 Financial Service Centres.

As a part of Financial Inclusion, Bank adopted two Districts, i.e., Srikakulam in Andhra Pradesh and Ganjam in Orissa State and achieved 100% coverage in Srikakulam District and 95% in Ganjam District so far. Also, ATM with Bio-Metric Access Facility, the first of its kind in the Country, was introduced by the Bank at Kondapur, Hyderabad in February 2007. The facility enables illiterates and rural masses to enjoy the fruits of technology driven banking services on par with their urban counterparts. Bank proposes to open more number of Bio-Metric ATMs to cater to the banking needs of our Customers in Rural Areas. Further, to provide banking services to Sabarimala Pilgrims, Bank has launched Mobile ATM Facility at Kottayam (Kerala) covering important Centres, viz., Chengannur and Pathanamthitta, which was widely appreciated.

Bank has successfully conducted "Bankers' Conference (Bancon) 2006", a two-day Indian Banking Conclave at Hyderabad, which deliberated on the Theme : 'Inclusive Growth - A New Challenge', - winning many a laurels and wide appreciation among the Banking and Non-banking Circles.

Bank has taken steps to establish Centralized Pension Processing Centre at Hyderabad to render prompt and complaint free service to Central Pensioners and the establishment of CPPC is expected to be completed by the end of May 2007.

It gives me great pleasure to inform you that your Bank is forging ahead on the Technology front. After 100% computerisation of Branches in 2002-03 itself, your Bank has now connected 1104 Business Units, viz., 1006 Branches, 83 Extension Counters and 15 Service Centres to Cluster Based Core Banking Solution. 'Any Branch Banking (ABB)' convenience is being provided to Customers at all these Branches and Extension Counters.

The performance of the Bank is reflective of support and confidence of Shareholders and Stake holders. I must also place on record my sincere appreciation of the dedicated and committed Workforce of the Bank who have always been instrumental in all our achievements. Your Bank continuously seeks to identify, assess and create new opportunities and translate them into realities. In this endeavour, I join the rank and file of Andhra Bank with enthusiasm and commitment and also look forward to your continued support and encouragement in the fulfillment of objectives of the Bank.

With warm wishes,

Yours sincerely,

(Dr.K.Ramakrishnan)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

प्र.का: डा.पट्टाभि भवन, 5-9-11, सैफाबाद, हैदराबाद- 500 004.

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्रा बैंक के शेयरधारकों की सातवीं वार्षिक साधारण बैठक गुरुवार, 28 जून, 2007 के सुबह 10.30 बजे शिल्पकला वेदिका, शिल्पारामम, क्राफ्ट विलेज, हाइटेक सिटी के पास, मादापुर, हैदराबाद - 500 081 में निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी .

31 मार्च 2007 वर्ष की समाप्ति को बैंक का लेखापरीक्षित तुलनपत्र (और उस वर्ष की समाप्ति को लाभ एवं हानि लेखा, लेखा द्वारा कवर की गयी अवधि हेतु बैंक के कामकाज एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट एवं तुलनपत्र एवं लेखा पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर चर्चा, अनुमोदन और अपनाने, ईक्विटी शेयरों पर लाभांश की घोषणा करने.

हैदराबाद
30.4.2007

के .रामकृष्णन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां :

1. प्रॉक्सी की नियुक्ति :
   बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक प्रॉक्सी नियुक्त कर सकते हैं. ऐसा प्रॉक्सी बैंक का सदस्य होना आवश्यक नहीं है. **प्रॉक्सी को प्रभावी बनाने के लिए बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व बैंक के प्रधान कार्यालय में अवश्य जमा / दर्ज हो जानी चाहिए. ऐसे व्यक्ति को प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा प्रॉक्सी नियुक्त नहीं किया जाएगा , जो बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी हो .**
2. प्रतिनिधि की नियुक्ति :
   कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में किसी भी व्यक्ति को बैठक में भाग लेने या वोट देने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक वह संकल्प, जिसमें उसे प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया हो और बैठक के अध्यक्ष ने उसे प्रमाणित किया हो, की प्रति बैंक के प्रधान कार्यालय, हैदराबाद में बैठक के चार दिन पहले जमा नहीं करता है.
3. उपस्थिति पत्रक सह प्रवेश पास :
   शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति पत्रक भरकर एवं उसमें दिये गये खाली स्थान पर हस्ताक्षर करके उसे बैठक स्थल पर जमा कर दें. प्रॉक्सी / प्रतिनिधि उपस्थिति पत्रक पर प्रॉक्सी या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करें .
4. लाभांश :
   वित्तीय वर्ष 2006 - 2007 के लिए निदेशक बोर्ड 18% अंतिम लाभांश की सिफारिश करता है एवं लाभांश शेयरधारकों, जिनके नाम 20.06.2007 को शेयरधारक रजिस्टर में हों, को 05 जुलाई 2007 को अदा किया जाएगा .
5. नेशनल सेक्यूरिटीस डिपाजिटरी लि.व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसस (इं) लि. के साथ इलेक्ट्रानिक फार्म में बैंक शेयर होना :
   बैंक ने निर्गमकर्ता कंपनी के रूप में अपने शेयरों को डीमेटीरियलैजेशन के लिए नेशनल सेक्यूरिटीस डिपाजिटरी लि.
   (एनएसडीएल) व सेन्ट्रल डिपाजिटरी सर्विसस (इं) लि. (सीडीएसएल) से करार किया है. डीमेटीरियलाईजेशन का अनुरोध संबंधित डिपाजिटरी सहभागियों के ज़रिए हमारे रजिस्ट्रार एवं अंतरण अभिकर्ता मेसर्स एम.सी.एस लिमिटेड ,मुंबई को भेजना है .
6. लाभांश के लिए बैंक का आवेदन पत्र या इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) :
   निवेशकों को अपने लाभांश वारंट के धोखा नकदीकरण से बचाने के लिए बैंक ने इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा की सुविधा उन शेयरधारको को दी है जिनके बैंक खाते निम्न केन्द्रों में हैं :
   मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नै, अहमदाबाद, बेंगलूर, हैदराबाद, नागपुर, चंडीगढ़ एवं तिरुवनंतपुरम
7. पन्नों का समेकन :
   शेयरधारक , जिन्होंने एक ही क्रम के नाम से एक से अधिक खातों में शेयर रखे हैं, से अनुरोध है कि वे रजिस्टर व अंतरण एजेन्ट को ऐसे खातों के लेजर पन्नों का विवरण शेयर सर्टिफिकेट के साथ भेज दें ताकि बैंक द्वारा सभी का समेकन एक ही खाते में किया जा सके. शेयर सर्टिफिकेट बाद में आवश्यक पृष्ठांकन के बाद सदस्यों को लौटा दिये जाएंगे.
8. अंतरण के लिए जमा करना :
   शेयर सर्टिफिकेट, अंतरण विलेख के साथ बैंक के रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेन्ट को निम्न पते पर भेजा जाए :
   मेसर्स एमसीएस लिमिटेड (यूनिट: आन्ध्रा बैंक)
   हारमोनी हाउसघ, प्रथम तल, सेक्टर - 1
   खंदा कॉलोनी, न्यू पनवेल (प)
   जिला रायगड़, महाराष्ट्र - 410 206
9. शेयरधारकों से अनुरोध :
   क) कृपया नोट करें कि वार्षिक प्रतिवेदन की प्रतियां वार्षिक साधारण बैठक में एक मितव्ययता के उपाय के रूप में वितरित नहीं की जाएंगी. अत: शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक में अपने साथ लाएँ .
   ख) सदस्य कृपया नोट करें कि बैठक के दौरान कोई उपहार-कूपन नहीं बांटे जाएंगे .
   ग) शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे बैग / ब्रीफकेस / टेप रिकार्डर / केमेरा आदि अपने साथ न लाएं क्योंकि ये वस्तुएं सुरक्षा जांच के अधीन हैं. इनके लाने से हाल में प्रवेश की अनुमति भी नहीं दी जा सकती है .

न्नोट: बैंक चाहता है कि यदि शेयरधारक वार्षिक साधारण बैठक में कोई सुझाव देना या स्पष्टीकरण चाहते हों तो केवल कार्यसूची की मद के संबंध में वे अपने सुझाव शंका आदि बैंक के प्रधान कार्यालय के शेयर संविभाग एवं निवेशक सेवा कक्ष को भेज सकते हैं जो कम से कम बैठक की तिथि के 15 दिन पहले प्राप्त हों .

www.reportjunction.com

Head Office: Dr. Pattabhi Bhavan, 5-9-11, Saifabad, Hyderabad – 500 004

NOTICE

Notice is hereby given that the Seventh Annual General Meeting of the shareholders of Andhra Bank will be held on Thursday, the 28th June, 2007 at SHILPA KALA VEDIKA , SHILPARAMAM, CRAFTS VILLAGE, NEAR HI-TECH CITY, MADHAPUR, HYDERABAD-500 081 at 10.30 A.M., to transact the following business:

To discuss, approve and adopt the Audited Balance Sheet as at 31st March 2007 and the Profit and Loss Account for the year ended on that date, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors Reports on the Balance Sheet and Accounts.

To declare dividend on Equity Shares.

Place: Hyderabad
Date : 30.04.2007

(K. Ramakrishnan)
Chairman & Managing Director

Notes:

1. **Appointment of proxy:**
   A MEMBER ENTITILED TO ATTEND AND VOTE AT THE MEETING IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY OR PROXIERS TO ATTEND AND VOTE THERE AT INSTEAD OF HIMSELF / HERSELF. A PROXY NEED NOT BE A MEMBER. A Proxy, inorder to be effective, must be deposited / lodged at the Head Office of the Bank atleast four days before the date of the meeting. No employee of the Bank shall be appointed as duly authorised representative or a proxy.
2. **Appointment of a representative:**
   No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of a Company, unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Hyderabad not less than four days before the date of the meeting.
3. **Attendance slip cum entry pass:**
   For the convenience of the members, attendance slip is enclosed to this report. Members are requested to fill in and affix their signatures in the space provided therein and handover the attendance slip cum Entry pass at the entrance of the venue of the meeting. Proxy / Representative of the shareholder should mark on the attendance slip as proxy or representative as the case may be.
4. **Dividend:**
   The Board of Directors recommend a final dividend of 18% for the financial year 2006-2007 and the dividend shall be paid on 05.07.2007 to the shareholders whose names appeared in the Register of Shareholders as on 20.06.2007.
5. **Holding Bank shares in electronic form with National Securities Depository Limited and Central Depository Services (India) Limited:**
   The Bank has entered into agreement with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) as an issuer Company for Dematerialization of Bank's Shares. Request for Dematerialization may be sent through respective Depository Participants to our Registrars and Transfer Agents, M/s. MCS Limited, Mumbai.
6. **Bank mandate for dividend or Electronic Clearing Service:**
   In order to protect the investors from fraudulent encashment of their dividend warrants, the Bank has offered Electronic Clearing Service facility to the shareholders having Bank accounts at the following centres:
   Mumbai, New Delhi, Kolkata, Chennai, Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad, Nagpur, Chandigarh and Thiruvanathapuram.
7. **Consolidation of Folios:**
   The shareholders who are holding shares in identical order of names in more than one account are requested to intimate to the Registrars and Transfer Agent, the ledger folio of such accounts together with the share certificates to enable the Bank to consolidate all the holdings into one account. The share certificates will be returned to the members after making necessary endorsement in due course.
8. **Lodgment for Transfers:**
   Share Certificates along with transfer deed should be forwarded to the Registrars and Transfer Agent of the Bank at the following address:

   M/s. MCS Limited (Unit: Andhra Bank)
   Harmony House, 1st Floor, Sector – 1,
   Khanda Colony, New Panvel (W)
   Dist: Raigarh, Maharashtra,
   PIN: 410206
9. **Request to Shareholders**
   a. Please note that copies of the Annual Report will not be distributed at the Annual General meeting as an Economy measure. Hence, shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report to the meeting.
   b. Shareholders may kindly note that no gifts / coupons will be distributed at the venue of the meeting.
   c. Shareholders are advised to avoid bringing bags / brief cases/ tape records / cameras etc. as these items are subject to a security check and may not be allowed at the venue.

Note:

Bank shall highly appreciate if shareholders, desirous of making any suggestion, seeking clarification, etc. at the Annual General Meeting, relating to the item of agenda only may send their suggestions. Queries, etc. so as to reach the shares Division & Investors Services Cell at Head Office of the Bank atleast 15 days before the date of meeting.

www.reportjunction.com

निदेशकों की रिपोर्ट 2006-2007

31 मार्च 2007 को लेखापरीक्षित तुलनपत्र एवं 31 मार्च 2007 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लाभ एवं हानि लेखा समेत आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बैंक के निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता है.

बृहद् आर्थिक परिदृश्य

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) के अग्रिम अनुमान ने वर्ष 2006-07 के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 9.2 प्रतिशत रखी है, कृषि एवं संबद्ध कार्यकलापों से उद्भूत वास्तविक जीडीपी की वृद्धि 2006-07 में 2.7% की वृद्धि का अनुमान किया गया है, जो वृद्धि प्रवणता के नजदीक है, लेकिन पिछले वर्ष से 6% कम है. कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के अनुमान के अनुसार जो अप्रैल 2007 में रिलीज किया गया, कुल खाद्यान्न उत्पादन 2006-07 में 211.8 मिलियन टन को वृद्धि हुई जबकि 2005-06 में 208.6 मिलियन टन था; खरीफ खाद्यान्न उत्पादन में हुई 1.4% की कमी, की रबी उत्पादन ने क्षतिपूर्ति की. औद्योगिक कार्यकलापों में अधिक वृद्धि हुई, उद्योग में उद्भूत वास्तविक जीडीपी की 2006-07 में 10.2% तक की वृद्धि का अनुमान है जबकि पिछले वर्ष 8.0% थी. सेवा क्षेत्र में उद्भूत वास्तविक जीडीपी 2006-07 के दौरान 11% की वृद्धि हुई जबकि एक वर्ष से पहले 10.3% था.

मेसर्स मेकिनसी ग्लोबल इंस्टीट्यूट, इंडिया द्वारा हाल ही में रिलीज की गयी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में उपभोग की अधिक वृद्धि होगी और यह यू.एस, जापान चीन और यूके के बाद पांचवीं बडी उपभोग अर्थव्यवस्था बनने वाला है.

मार्च 2007 के अंत को (डब्लूपीआई) होलसेल प्राइस इंडेक्स मुद्रास्फीति 5.7% थी जबकि मार्च 2006 के अंत को 4.1% थी.

2006-2007 के दौरान एक महत्वपूर्ण चिंताजनक आंतरिक गतिविधि यह है कि मुद्रास्फीति की वृद्धि, जो बृहत् आर्थिक परिदृश्य को कम करने की जोखिम दर्शाता है. हाल के बढते अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्य की वृद्धि ने मुद्रास्फीति के परिदृश्य को अनिश्चित कर दिया है. जिस प्रकार वर्ष 2006-2007 में भारत में मुद्रास्फीति हो रही है उसका मुख्य कारण प्रमुख खाद्य पदार्थों का अधिक हाथ रहा है. उसी समय विनिर्मित उत्पाद की कीमत मुद्रास्फीति के 50% से अधिक रही.

अंतर्राष्ट्रीय क्रूड ऑयल का भारतीय बास्केट और औसतन मूल्य मार्च 2006 के अंत के यूएस$ 60.1 प्रति बैरल से बढ़कर जुलाई 2006 में यूएस $ 71.1 प्रति बैरल की उच्च दर तक गया, लेकिन जनवरी 2007 में यूएस$ 53.0 प्रति बैरल तक कम हुआ और फिर 20 अप्रैल 2007 को यूएस $ 64.0 प्रति बैरल तक बढ़ गया.

मार्च 2007 के अंत को रिलीज भुगतान तुलन का डाटा क्रमिक मजबूती और 2006-07 के प्रथम नौ महीनों में बाहरी क्षेत्रों में कम्पायमान सूचित करता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के संतुलित माइक्रोएकानमिक आधारभूत तत्वों को प्रतिबिंबित करता है. पिछले कुछ वर्षों की तरह व्यापारिक निर्यात मजबूत रहा, 2005-06 की संबद्ध अवधि की 29.5% की तुलना में अप्रैल-दिसम्बर 2006 में यूएस डॉलर की दर पर 22.5% तक कम हुआ. एक वर्ष पहले के 36.2% से 2006-07 में व्यापार माल के आयात की वृद्धि 25.3% तक कम हो गयी और इसका मुख्य कारण अप्रैल-दिसम्बर 2005 में 34.3% से 18.6% को तेल इतर आयात में माँडरेशन है. इसके परिणामस्वरूप व्यापार माल ट्रेड डेफिसिट अप्रैल-दिसम्बर 2006 में यूएस डॉलर 52.3 बिलियन तक बढ़ गया जबकि 2005-06 की संबद्ध अवधि में सूएस डॉलर 40.1 बिलियन था. मूल्यांकन परिवर्तन सहित भारत की विदेशी मुद्रा आरिक्षतियों में अप्रैल दिसम्बर 2006 में यूएस $25.6 बिलियन की वृद्धि रिकार्ड की और मार्च 2007 के अंत तक यूएस $ 199.2 बिलियन तक पहुँच गया.

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार 2006-07 के दौरान सामान्यत: क्रमिक स्थिति में था तथा विनिमय दर में दो तरफ चलन दिखाई पडे. वर्ष 2006-07 के दौरान रुपये का मूल्य यूएस $ पर 2.3 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि हुई, जापान येन पर 2.7 प्रतिशत लेकिन यूरो पर 6.8 प्रतिशत और पौंड स्टेरलिंग पर 9 प्रतिशत का मूल्यह्रास हुआ.

वित्तीय क्षेत्र परिदृश्य

मुद्रा आपूर्ति (एम3) की वृद्धि, वर्षानुवर्ष आधार पर 2006-07 में 20.8 प्रतिशत (रु. 5,67,372 करोड) की वृद्धि हुई, जबकि 2005-06 में 17 प्रतिशत (रु.3,96,881 करोड) थी. आरक्षित मुद्रा में 2006-07 के दौरान 23.7 प्रतिशत (रु.1,35,892 करोड) की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 17.2 प्रतिशत (रु.83,922 करोड) वृद्धि से अधिक थी. अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की कुल जमाराशियों में 2006-07 के दौरान 23.0 प्रतिशत (रु 4,85,210 करोड) की वृद्धि हुई, जबकि 2005-06 में 18.1 प्रतिशत (रु. 3,23,913 करोड) थी. अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा प्रदत्त खाद्येतर ऋण में 28.0 प्रतिशत (रु. 4,10,285 करोड) की वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष 31.8 प्रतिशत (रु. 3,54,193 करोड) थी जो 2003-06 के दौरान की संपोषित वृद्धि की तुलना में थोडा मंदन था. संवर्धनात्मक खाद्येतर ऋण-जमा अनुपात पिछले वर्ष की 109.3 प्रतिशत की तुलना में 2006-07 के दौरान 84.6 प्रतिशत को कम हुआ.

वित्तीय बाजार 2006-07 के अधिकांश भाग में सामान्यत: स्थिर स्थिति में था, यद्यपि दूसरे अर्ध-वर्ष में उच्च कार्यकलापों के बीच कुछ उतार-चढाव थे, क्योंकि परिमाण में अधिक वृद्धि हुई, सभी क्षेत्रों में ब्याज दरों में वृद्धि हुई, विशेषकर वर्ष की अंतिम तिमाही में, गैर-संपार्श्विक कॉल/नोटिस मनी मार्केट में.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की एक वर्ष से अधिक अवधि की जमा राशियों पर ब्याज दरें अप्रैल 2006 में 5.75 प्रतिशत - 7.25 प्रतिशत से मार्च 2007 में 7.25 प्रतिशत - 9.50 प्रतिशत तक बढ गयीं. सार्वजनिक अनुसूचित बैंक और निजी क्षेत्र के बैंकों की बीपीएलआर में, इसी अवधि के दौरान क्रमश: 10.25 प्रशित -11.25 प्रतिशत और 11.00 प्रतिशत - 14.00 प्रतिशत से 12.25 प्रतिशत -12.75 प्रतिशत और 12.00 प्रतिशत - 16.50 प्रतिशत रेंज में वृद्धि हुई.

बीएसई सेंसेक्स मार्च 2006 के अंत को 11,280 से 14 जून 2006 को रु. 8,929 के इन्ट्रा-ईयर ट्रफ तक कम हो गया, लेकिन उसके बाद 08 फरवरी, 2007 को 14,652 तक बढ गया, लेकिन बाद में मार्च 2007 के अंत तक 13,072 को कम हुआ.

भारतीय रिजर्व बैंक (संशोधन) अधिनियम, 2006 भारतीय रिजर्व बैंक को बिना किसी सीमा के सीआरआर के रूप में रखी जाने वाली अनुसूचित बैंकों के मांग एवं समय देयताओं के प्रतिशत निर्णय करने का विवेकाधिकार देता है. इस संशोधन के परिणामस्वरूप, सीआरआर शेष पर भारिबैंक द्वारा किसी

www.reportjunction.com

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors' has pleasure in presenting the Annual Report of your Bank together with the Audited Balance Sheet as on March 31, 2007 and Profit and Loss Account for the financial year ended March 31, 2007.

MACRO ECONOMIC ENVIRONMENT

The advance estimates of the Central Statistical Organisation (CSO) placed real GDP growth of the Indian Economy at 9.2% for 2006-07, over and above 9.0% in 2005-06. Real GDP originating from Agriculture and Allied Activities is estimated to have registered a growth of 2.7% in 2006-07, closer to the trend growth but lower than 6.0% in the previous year. According to the estimates of the Ministry of Agriculture, Govt. of India released in April 2007, total foodgrains production is expected to have increased marginally to 211.8 million tonnes in 2006-07 from 208.6 million tonnes in 2005-06, with 'rabi' production having compensated for the decline of 1.4% in 'kharif' foodgrains production. Industrial Activity expanded strongly, with Real GDP originating in Industry estimated to have risen by 10.2% in 2006-07 as compared with 8.0% in the previous year. Real GDP originating in the Services Sector increased by 11% during 2006-07 as against 10.3% a year ago.

According to a Report released recently by M/s McKinsey Global Institute, India is set for a consumption boom and to become the fifth largest consuming economy behind US, Japan, China and the UK.

The year-on-year wholesale price index (WPI) inflation was 5.7% as at the end of March 2007 as against 4.1% at end-March, 2006. A significant worrisome feature of domestic developments in 2006-07 is the firming up of inflation, which represents the key downside risk to the evolving macroeconomic outlook. The recent hardening international crude prices has heightened the uncertainty surrounding the inflation outlook. A careful assessment of the manner in which inflation is evolving in India reveals that primary food articles have contributed significantly to inflation during 2006-07. At the same time, prices of manufactured products accounted for well above 50% of headline inflation.

The average price of the Indian basket of international crude oil increased from US $ 60.1 per barrel at end-March 2006 to a peak of US $ 71.1 per barrel in July 2006, but declined to US $ 53.0 per barrel in January 2007 before increasing to US $ 64.0 per barrel as on April 20, 2007.

Balance of Payments data released at the end of March 2007 indicate sustained strength and vibrancy in the External Sector over the first nine months of 2006-07, reflecting the robust macroeconomic fundamentals of the Indian Economy. While Merchandise Export growth remained strong as in the past few years, it decelerated in US dollar terms to 22.5% in April-December 2006 from 29.5% in the corresponding period of 2005-06. Merchandise Import growth also decelerated to 25.3% during 2006-07 from 36.2% a year ago, mainly due to moderation of non-oil Import growth to 18.6% from 34.3% in April-December 2005. As a result, the Merchandise Trade Deficit increased to US $ 52.3 billion during April-December 2006 from US $ 40.1 billion in the corresponding period of 2005-06. India's foreign exchange reserves, including valuation changes, recorded an increase of US $ 25.6 billion during April-December 2006 and rose to reach a level of US $ 199.2 billion by end-March 2007.

The Indian foreign exchange market witnessed generally orderly conditions during 2006-07 with the exchange rate exhibiting two-way movements. Overall, during 2006-07, the rupee appreciated by 2.3% against the US dollar and 2.7% against the Japanese yen, but depreciated by 6.8% against the euro and by 9.0% against the pound sterling.

FINANCIAL SECTOR OVERVIEW

Money Supply (M_3) growth, on a year-on-year basis, increased by 20.8% (Rs.5,67,372 crore) in 2006-07 as compared with 17.0% (Rs.3,96,881 crore) in 2005-06. Reserve money increased by 23.7% (Rs.1,35,892 crore) during 2006-07, higher than the increase of 17.2% (Rs.83,922 crore) in the previous year. Aggregate deposits of scheduled commercial banks (SCBs) increased by 23.0% (Rs.4,85,210 crore) during 2006-07 as against 18.1% (Rs.3,23,913 crore) in 2005-06. Non-food credit extended by SCBs increased by 28.0% (Rs.4,10,285 crore) on top of 31.8% (Rs.3,54,193 crore) in the previous year, exhibiting some moderation from the sustained growth during 2003-06. Incremental non-food credit-deposit ratio edged down to 84.6% during 2006-07 from 109.3% in the previous year.

Financial markets experienced generally stable conditions during the major part of 2006-07, albeit with some volatility in the second half amidst heightened activity as volumes increased steadily and interest rates firmed up in all segments, particularly in the uncollateralised call / notice money market during the last quarter of the year.

Interest rates on deposits of over one year maturity of public sector banks (PSBs) moved up from 5.75%-7.25% in April 2006 to 7.25%-9.50% in March 2007. The benchmark prime lending rates (BPLRs) of PSBs and private sector banks increased from 10.25%-11.25% and 11.00%-14.00% to a range of 12.25%-12.75% and 12.00%-16.50%, respectively, during the same period.

The BSE Sensex declined from 11,280 at end-March 2006 to a intra-year trough of 8,929 on June 14, 2006 but thereafter rallied to the peak of 14,652 on February 8, 2007 but subsequently moderated to 13,072 by end-March 2007.

The Reserve Bank of India (Amendment) Act, 2006 gives discretion to the Reserve Bank to decide the percentage of scheduled banks' demand and time liabilities to be maintained as CRR without any ceiling or floor. Consequent to the amendment, no interest will be paid by the RBI on CRR balances so as to enhance the efficacy of the CRR, as payment of interest attenuates its effectiveness as an instrument of monetary policy. The revised definition of "repo" and "reverse repo" provided under the amendment would

www.reportjunction.com

भी प्रकार के ब्याज का भुगतान नहीं किया जाएगा ताकि सीआरआर की क्षमता को बढाया जाए, क्योंकि ब्याज के भुगतान से, मॉनिटरी पॉलिसी के लिखत के रूप में उसका प्रभाव कम हो जाता है. संशोधन के अंतर्गत रिपो एवं रिवर्स रिपो की संशोधित परिभाषा इन लिखतों में बाजार पार्टिसिपंट/ बैंकों को लेनदेन करने की सुविधा प्रदान करेगा. इस संशोधन से भारतीय रिजर्व बैंक को मुद्रा बाजार को रेगुलेट करने की सांविधिक बैकिंग प्रदान करेगा और ओवर दि काउंटर डेरिवेटिव ट्रेडिंग को रेगुलेट करने के लिए भी.

एक दृष्टिकोण

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार अप्रैल 2007 में घोषित वार्षिक पालिसी विवरण के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की दरों में और कोई बढोत्तरी नहीं मानते हुए और घरेलू और बाहरी आशंकाओं से परे भारतीय अर्थव्यवस्था की रियल जीडीपी वृद्धि लगभग 8.5% देखी गयी है. सकल मांग पर मौद्रिक नीति के संचयी प्रभावों के दृष्टिगत और यह मानते हुए कि किसी भी प्रकार की घरेलू और बाह्य आशंकाएँ नहीं होंगी, 2007-08 में भारिबैंक की नीति में मुद्रास्फीति को 5.0% तक रोक रखा जा सकता है. मुद्रा आपूर्ति वृद्धि के साथ, वर्ष 2007-08 में सकल जमाराशियों में वृद्धि रु. 4,90,000 करोड़ तक आंकी गयी है. वर्ष 2007-08 में निधीयन स्रोत के समग्र निर्धारण पर समायोजित गैर खाद्य ऋण 24.0% - 25.0% तक बढने का अनुमान है.

आने वाले वर्षों में कुल ऋण संविभाग को संतुलित करते हुए, बैंक उत्पादकता क्षेत्रों को ऋण प्रवाह बढाने का इरादा रखता है.

वित्तीय वर्ष 2006-2007 के दौरान आन्ध्रा बैंक का कार्यनिष्पादन : मुख्य बातें

- वित्तीय वर्ष 2006-2007 के दौरान, **आन्ध्रा बैंक का व्यापार** 23.55% वृद्धि के साथ रु. 56,406 करोड़ से रु.69,687 करोड़ हो गया.
- बैंक का **सकल बैंक ऋण** 31.03.2006 के रु. 22,484 करोड़ से बढकर 31.03.2007 को रु.28,233 करोड़ हो गया जो 25.57% की वृद्धि है.
- बैक की **कुल जमाराशियाँ** 31.03.2006 के रु. 33,922 करोड़ से बढकर 31.03.2007 को रु. 41,454 करोड़ हो गयी जो 22.20% की वृद्धि है.
- पिछले वर्ष के अंत तक 66.69% से **ऋण जमा अनुपात** 31.03.2007 को 68.28% हो गया.
- बैंक की **अल्प लागत जमाराशियाँ** पिछले वर्ष के रु. 12,317 करोड़ से बढकर 16.21% वृद्धि के साथ 31.03.2007 को रु. 14,314 करोड़ हो गयी है.
- बैंक का **परिचालन लाभ** पिछले वर्ष के रु. 702.59 करोड़ के विरुद्ध 32.54% वृद्धि दर के साथ रु. 931.24 करोड़ हो गया.
- **बैंक का कोर परिचालन से सकल लाभ (निवेश की बिक्री पर लाभ को छोड़कर)** रु. 245.78 करोड़ की बढोत्तरी द्वारा रु. 631.75 करोड़ से रु. 877.53 करोड़ तक बढ गये जो 38.90% की वृद्धि है.
- 31.03.2007 को बैंक का **निवल लाभ** 10.79% वृद्धि दर के साथ 31.03.2006 के रु. 485.50 करोड़ से बढकर रु. 537.90 करोड़ तक हो गया.
- **निवल ब्याज आय** 21.30% की वृद्धि दर दर्शाते हुए रु. 1,169 करोड़ से रु. 249 करोड़ की बढोत्तरी द्वारा रु. 1,418 करोड़ तक वृद्धि हुई.
- 31 मार्च 2007 को समाप्त वर्ष के लिए **जमा की लागत** 31 मार्च 2006 की 4.86% की तुलना में 5.32% रही.
- 31.03.2007 को **अग्रिम पर प्रतिफल** 31.03.2006 के 9.26% से बढकर 9.88 % हो गया. अग्रिम में बढोत्तरी के अतिरिक्त वर्ष दौरान बीएमपीएलआर में परिवर्तन अग्रिम में प्रतिफल बढाने में मददगार हुआ.
- 31.03.2006 को 52.73% **आय में लागत का अनुपात** 31.03.2007 को 50.05% तक कम हो गयीं.
- बैंक ने जनवरी 2007 में वर्ष 2006-07 के लिए 20% का अंतरिम लाभांश दिया. आगे बोर्ड ने वार्षिक साधारण बैठक के अनुमोदन के लिए 18% अंतिम लाभांश की सिफारिश की है.
- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम रु. 8,924 करोड़ (31.03.2006) 28.05% वृद्धि के साथ रु.11,427 करोड़ तक हो गये जो निर्धारित 40% के विरुद्ध समायोजित एनबीसी का 41.14% है.
- **कृषि को अग्रिम** 31.03.2006 को रु. 4,064 करोड़ से 26.72% वृद्धि के साथ रु. 5,150 करोड़ (समायोजित एनबीसी का 18.54%) तक पहुंच गये.
- **एसएमई क्षेत्र को ऋण** रु. 2,439 करोड़ (31.03.2006) से 33.25% वृद्धि के साथ रु. 3,250 करोड़ तक (31.03.2007) बढ गये.
- **आवास क्षेत्र (प्रत्यक्ष) को ऋण** 31.03.2006 के रु. 1,572 करोड़ से 12.85% वृद्धि के साथ 31.03.2007 को रु.1,774 करोड़ तक बढ गये.
- **शैक्षिक ऋण** 31.03.2006 के रु. 677 करोड़ से 33.68% वृद्धि के साथ रु. 905 करोड़ हो गये.
- 31.03.2006 को रु. 436.91 करोड़ के **सकल एनपीए** (सकल अग्रिम का 1.94%) के विरुद्ध 31.03.2007 को सकल एनपीए 397.01 करोड़ (सकल अग्रिम का 1.41%) रहे हैं.
- 31.03.2006 को रु. 52.46 करोड़ के **निवल एनपीए** (निवल अग्रिम का 0.24%) के विरुद्ध 31.03.2007 को निवल एनपीए 47.25 करोड़ (निवल अग्रिम का 0.17%) रहे हैं
- बैंक ने क्लस्टर बैंकिंग के अंतर्गत 31.03.2006 को 1026 यूनिट के विरुद्ध 1104 यूनिटों को यानी कि 1006 शखाएँ, 83 ईसी और 15 सेवा केंद्र /शाखाओं को नेटवर्क किया है. इन सभी शाखाओं में **किसी भी शाखा बैंकिंग** की सुविधा दी जा रही है.
- 650 शाखाओं में **रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट (आरटीजीएस)** सुविधा परिचालन में है.
- 31.03.2007 को 128 शाखाओं में **नकद प्रबंधन सेवाएँ** दी जा रही हैं.
- 31.03.2006 के अंत तक 1764 **डेलिवरी चैनल** बढकर 31.03.2007 को 1930 हो गये हैं.
- बैंक का ग्राहक आधार पिछले वर्ष के 14.40 मिलियन से 31.03.2007 को 15.60 मिलियन तक बढ़ गया.

www.reportjunction.com